भजन

देखो नैना नूर जमाल, जो रूहों पर सनकूल।
अरवा होए जो अर्श की, सो जिन जाओ खिन भूल।।

मेरे दिलबर पिया की नजर जो पड़ी
काम वो कर गयी के मज़ा आ गया

1 जाने दिल में क्यूँ उनके उमंगें बड़ी, साँस मेरी इधर भी बढ़ने लगी
उनके दिल की लगी मेरे दिल को लगी,
काम वो कर गयी के मज़ा आ गया

2 जामें इश्क दिखा कर पिया ने मुझे,जब किया इक हंसी सा इशारा मुझे
ये मैं जानूँ या जाने ये साकी मेरा,
जाम से जाम टकरा मज़ा आ गया

3 यूं तो देखे पिया जी सभी रूहों को,बयां करूँ कैसे देखा उन्होंने मुझे
सरकायें नजर इस तरफ जब पिया,
काम वो कर गयी के मज़ा आ गया

4 मयखाने में साकी पिलाते रहे, जब तलक रंग नशे का न इक हो गया
साकी के रंग में सभी रंग गयी,
एक रंग हो गयी बस मज़ा आ गया